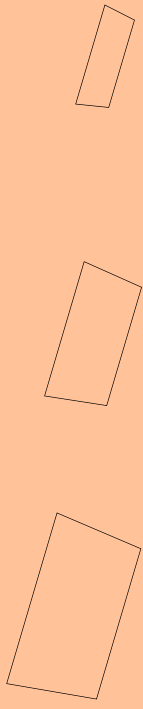
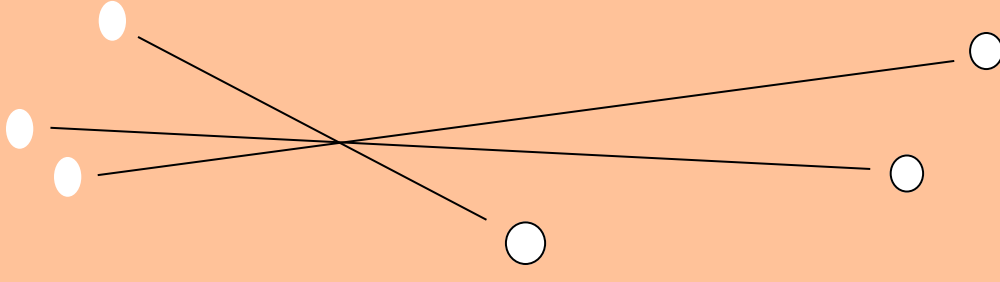


Ballia Sandesh



ई-पत्रिका

Volume-31
01-07-2018 To
31-07-2018



श्री दिनेश कु० विश्वकर्मा

(अधिशायी अधिकारी)

श्री अजय कुमार

(अध्यक्ष)



नगर पालिका परिषद, बलिया के नगरवासियों को जुलाई 2018 के ई-पत्रिका बलिया संदेश में स्वागत है। जुलाई माह में हुये विकास कार्यों को ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा आपसब को बताना चाहता हूँ। बलिया नगर पालिका प्रत्येक माह ई-पत्रिका बलिया संदेश के द्वारा नगर पालिका में हुये विकास कार्यों को आपसब के सामने लाने का प्रयास करता हूँ, जिससे बलिया नगर पालिका परिषद के विकास और नई योजनाओं से लाभान्वित हो सके। नगर पालिका परिषद बलिया का एक मात्र उद्देश्य नगर पालिका का विकास है। जिसमे बिना किसी भेद-भाव, सभी समुदायों के लोगो को एकसाथ लेकर आगे बढने का उद्देश्य है। जिसके लिए नगर पालिका परिषद बलिया के निवासियों को इसमें सहयोग महत्वपूर्ण है, और नगर पालिका इसका उम्मीद करता है। नगरवासियों से अपील है की नगर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में नगर पालिका की मदद करे। अपने आस-पास साफ-सुथरा रखे। कूड़ा-कचरा डस्टबिन में रखे, गन्दगी न फैलाये। आने वाला कल अच्छा हो इसके लिये आज बेहतर बनायें।





Mr. Dinesh Kumar Vishwakarma
(Executive Officer)

श्री दिनेश कु. विश्वकर्मा
(अधिसासी अधिकारी)

I am happy to present the July 2018 issue to all of you. A number of projects have been commissioned in the month of July. The former will help smoothen the flow of traffic, reduce the travel time of citizens, ease the congestion and reduce pollution on Nagar Palika Parishad Ballia's road. There have been a lot of lessons to learned and these insights will certainly stand in good stead with us in our endeavors in future. The one thing that stands out is the most active participation of citizens. We, the residence of the Nagar Palika Parishad Ballia respective of ages, castes, creeds, religions, localities have untidily participated in creation of Ballia's Swachh Nagar Palika Parishad proposal. As I look into the future with great expectation, it is this one aspect of the municipality which gives me the greatest hope. We in the Nagar Palika Parishad Ballia, would be very happy to receive your feedbacks on all matters that you feel are important.



Mr. Ajay Kumar
(Chairman)



I am delighted to present the tasks and issue of Ballia Nagar Palika by e-Patrika Ballia Sandesh in July 2018. Nagar Palika Parishad Ballia is grateful to the citizens who displayed tremendous enthusiasm and whole heartedly participated in numerous activities throughout this period. All of us should bear in mind that this is not end but a beginning of the exercise pertaining to development and Swachh Mission program. The coming times will surely be very hectic and eventful. Ballia promises to leave no room for complacency and will work even harder to achieve the targets. We solicit active participation from the citizens in our endeavor. We sincerely believe that decisions taken by Nagar Palika Parishad Ballia should benefit Nagar Palika Parishad Ballia and the citizens in the ultimate analysis. Many projects process in work in Nagar Palika Parishad Ballia for development our Nagar Palika and citizens. Thanks to all citizens of Nagar Palika Parishad Ballia for supporting to develop Ballia.



काँवर यात्रा की ढेर सारी शुभकामनायें !

हिंदू पुराणों के अनुसार, काँवड़ यात्रा अमृत के महासागर या समुद्र मंथन के साथ जुड़ी हुई है। धार्मिक ग्रंथों का कहना है कि समुद्र मंथन के कारण अमृत निकलने से पहले विष से भरा एक घड़ा बाहर निकला। इस विष को भगवान शिव ने अपने कण्ठ (गले) में धारण कर लिया और अमृत देवताओं को वितरित कर दिया। इस विष को अपने कण्ठ में ग्रहण करने के कारण भगवान शिव का कण्ठ नीले रंग का हो गया, जिसके लिए उन्हें “नीलकंठ” का नाम दिया गया। उन्होंने अपने गले में जलन महसूस की इसलिए विष के प्रभाव को कम करने के लिए, देवी और देवताओं ने भगवान शिव का गंगा जल से अभिषेक किया। प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में भगवान शिव के भक्तों द्वारा की जाने वाली पवित्र यात्रा को काँवर यात्रा कहते हैं। काँवरिये गंगा नदी से जल इकट्ठा करने के लिए हिंदू तीर्थस्थलों की यात्रा करते हैं और फिर स्थानीय भगवान शिव के मंदिरों में गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक करते हैं। पवित्र जल घड़ों में भरा जाता है और भक्तों द्वारा उनके कंधे पर बाँस से बने एक छोटे ध्रुव पर ले जाया जाता है, जिसे “काँवड़” कहा जाता है। इसलिए इन शिव भक्तों को लोकप्रिय रूप से “काँवरिया” कहा जाता है और संपूर्ण तीर्थयात्रा को “काँवर यात्रा” कहा जाता है। कुछ धार्मिक स्थलों की यात्रा हरिद्वार के गंगोत्री, उत्तराखंड के गौमुख और बिहार के सुल्तानगंज आदि से प्रारम्भ होती है।



ॐ त्रियम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनं ।
उर्वारुकमिव बन्धनात्
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

बलिया संदेश



बलिया संदेश





स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत खुले में शौच से मुक्ति के सम्बन्ध में जागरूकता हेतु एक मार्मिक अपील

जागो युवा जागो स्वच्छ भारत है तुम्हारा अधिकार लेकिन पहले उठाओं पहले कर्तव्य का भार

में नहीं तू , तू नहीं में
सदा करते है तू तू में में
करो कोई भी अच्छा काम
बढ़ाये जो भारत देश का नाम
देश की धरोहर पर है सबका अधिकार
फिर क्यों है इसकी सफाई से इनकार
नहीं है कोई बहुत बड़ा उपकार
बस करना है जीवन में बदलाव
शहर को मानकर घर अपना
निर्मल स्वच्छ है उसे भी रखना
कूड़े दान में फेंको कूड़ा
हर जगह न फेंको पुड़ा
थूकने को नहीं है धरती मैया
बदलो अपनी आदत भैया
न करो किसी पड़ोसी का इंतजार
देश है सबका बढ़ाओ स्वच्छता अभियान

स्वच्छ भारत मिशन बलिया

श्री दिनेश कु० विश्वकर्मा
(अधिशाषी अधिकारी)

श्री अजय कुमार
(अध्यक्ष)

Contact Us



: www.fageosystems.in



: info@fageosystems.in

Tel/Fax : 01204349756